नक्शबंदी सम्प्रदाय

By... Dr. Dalip Kr.
9534808571.

संस्थापक - ख्वाजा बाकी बिल्लाह

- सभी सूफी सिलसिलों में नक्शबंदी शाखा सर्वाधिक कट्टरवादी
- इनके अनुयायी शरियत पर जोर देते थे।
- ये संगीत के विरोधी थे (कादरिया सम्प्रदाय की तरह)

ख्वाजा ख्वाद महमूद इस शाखा के प्रमुख संत थे। कश्मीर को अपना केन्द्र बनाया
अकबर एवं जहाँगीर के समकालीन थे।

ख्वाजा बाकी बिल्लाह बैरंग

17वीं शताब्दी में काबुल से भारत आये। पैगम्बर मुहम्मद साहेब के उपदेशों पर ज्यादा जोर दिया।

शेख अहमद सरहिंदी

वे मुजाहित (धर्म सुधारक) अथवा मुजद्दिद अलिफ सानी कहा जाता था।

- मुगल बादशाह जहाँगीर इन्हीं का शिष्य था।
- नूरजहाँ के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिये शेख अहमद सरहिंदी ने आमीरों को पत्र लिखा था। इसकारण नूरजहाँ के संबंध शेख अहमद सरहिंदी से अच्छे नहीं थे।

Scanned with CamScanner

Date by Dr. Dilip
Page ....

(#) बादशाह औरंगजेब → नक्शबंदी परंपरा का समर्थक था I

कट्टरवाही

वह शेख मासूम का शिष्य था I
॥
उसी के कहने पर उसने जजिया को पुनः लगा दिया I

शाह वली उल्लाह

ये भी मुगल बादशाह औरंगजेब के समय थे I

ख्वाजा मीर दर्द

नक्शबंदी सिलसिला के अंतिम सूफी थे I

- इसका यह कहना था कि - मनुष्य का कर्त्तव्य है कि वह "कुरान का पूर्णतः पालन करे

शत्तारिया संप्रदाय

संस्थापक — शेख अब्दुल्ला शत्तार (भारत)

शत्तार = गति

इस शाखा के अन्तर्गत साधक को कम से कम समय में फना व बका की अवस्था प्राप्त हो जाती है I (यानि मोक्ष की प्राप्ति)

Scanned with CamScanner

Date ....
Page ....

यह शाखा एशिया और ईरान में - इतिकया

⊕ तुर्क - सिलसिला

शेख अब्दुल्ला शत्तारी

ये शेख मुहम्मद आरिफ के शिष्य थे।
शत्तारी की पदवी दी थी

ये भारत के (बंगाल) शिष्य - शेख काजिम हाजीपुरी -
को केन्द्र बनाया
शत्तारी से प्रभावित होकर शिष्य बन गये।

मोहम्मद गौस # - ग्वालियर को
अपना केन्द्र बनाया।
⊙ हुमायूं के समकालीन थे ⊙ शिष्य - तानसेन
प्रसिद्ध संगीतज्ञ

⊙ अमृत कुंड - संस्कृत ग्रंथ - फारसी में अनुवाद
बह्र-उल-हयात के नाम से किया।
इसमें योगियों का विवरण है।

शाह वजीउद्दीन - गुजरात को केन्द्र

मुगल बादशाह शाहजहां & औरंगजेब - गुजरात,

ग्वालियर, माण्डू, बुरहानपुर शत्तारियों सम्प्रदाय
का प्रमुख केन्द्र था। संत शेख ईसा
इनके शिष्य - शेख बुरहानुद्दीन

Scanned with CamScanner